

आदिगंगा पुनरुद्धार योजना

प्रलिस के लयि:

आदिगंगा, राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मशिन, राष्ट्रीय हरति न्यायाधकिरण, गंगा नदी के कायाकल्प संरक्षण और प्रबंधन हेतु राष्ट्रीय गंगा परषिद, भुवन-गंगा वेब एप, नमामगिगे कार्यक्रम ।

मेन्स के लयि:

आदिगंगा से जुड़े प्रमुख मुद्दे, गंगा से जुड़ी पहल ।

चर्चा में क्यों?

हाल ही में आदिगंगा (कोलकाता शहर से प्रवाहति होने वाली **गंगा नदी** की मुख्य धारा) के पुनरुद्धार के संदर्भ में योजना की घोषणा की गई है ।

- **राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मशिन** ने इस प्राचीन नदी के पुनरुद्धार के लयि लगभग **650 करोड़ रुपए आवंटति** कयि हैं तथा इसके **प्रदूषण** के उन्मूलन के लयि इसे **बहु-देशीय दक्षिण एशियाई नदी परयोजना** में शामिल कयि गया है ।

आदिगंगा से जुड़े प्रमुख मुद्दे और वकिस:

- **अतकिरण का इतहिस:**
 - यह नदी जो कभी **17वीं शताब्दी तक गंगा की मुख्य धारा थी** और दशकों तक उपेक्षति रही और वर्तमान में काफी प्रदूषति होने के साथ ही इस पर अतकिरण कर लयि गया है । आदिगंगा के **अवर्द्ध होने से क्षेत्र में प्राकृतिक जल नकिसी पर गंभीर प्रभाव पड़ा है** ।
 - हालाँकि आदिगंगा वर्ष 1970 के दशक तक अनुकूल रूप से प्रवाहति होती रही । बाद में इसकीजल की गुणवत्ता धीरे-धीरे खराब होती गई और इसके तटों पर अतकिरण के कारण यह एक सीवर में तब्दील हो गई ।
 - वर्ष 1998 में **कलकत्ता उच्च न्यायालय ने एक महीने के भीतर नदी से सभी प्रकार के अतकिरण हटाने का नरिदेश दयि था** ।
 - हालाँकि एक अन्य रपिर्ट के अनुसार, इस पहले आदेश के दो दशक बाद भी अतकिरण अभी भी कायम है ।
- **हालया स्थति:**
 - राज्य प्रदूषण नयित्रण बोर्ड के आँकड़ों के अनुसार, इस नदी को अब **व्यावहारिक रूप से मृत माना जा सकता है** और ऐसा कहा जा सकता है **कनिदी के प्रति 100 मिलिलीटर जल में 17 मिलियन से अधिक मल बैक्टीरया मौजूद हैं** और यह एक **गंदे नाले के रूप में परिवर्तति हो गई है** । इसमें **ऑक्सीजन की मात्रा भी शून्य है** ।
- **पुनरुद्धार:**
 - **राष्ट्रीय हरति अधकिरण (National Green Tribunal)** द्वारा **पश्चिम बंगाल सरकार** को नरिदेशति कयि गया है **कनिदी के पुनरुद्धार कार्य को सकारात्मक रूप से 30 सतिंबर, 2025 तक पूरा कयि जाए** ।
 - **बांग्लादेश के सलिहट** में गैर-लाभकारी **एक्शन एड** द्वारा आयोजति एक अंतरराष्ट्रीय जल सम्मेलन के दौरान **प्रदूषण संबंधी अध्ययन** के लयि इस नदी का चयन कयि गया था ।
 - **आदिगंगा के अतरिकित बांग्लादेश में बुरीगंगा, चीन में पुयांग, नेपाल में बागमती और मलेशया में क्लैंग** का भी इस सम्मेलन के दौरान **प्रदूषण संबंधी अध्ययन** के लयि चयन कयि गया था ।

नोट:

- आदिगंगा, जसि **गोबदिपुर करीक, सुरमन नहर** और (वर्तमान में) **टोली नहर** के रूप में भी जाना जाता है, **15वीं से 17वीं शताब्दी के बीच हुगली नदी की मुख्य धारा थी** जो प्राकृतिक कारणों से सूख गई थी ।
- वर्ष 1750 के आसपास नदी के मुख्य मार्ग को हावड़ा से सटी सरस्वती नदी के नचिले हसिसे से जोड़ने के लयि एक नहर का नरिमाण कयि गया था ।
 - नतीजतन, **आदिगंगा** एक छोटी सहायक नदी में तब्दील होने के बाद **हुगली मुख्य नदी बन गई** ।

राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मशिन (NMCG):

परिचय:

- 12 अगस्त, 2011 को NMCG को सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के तहत एक सोसायटी के रूप में सूचीबद्ध किया गया था।
- NMCG को गंगा नदी के कार्याकल्प, संरक्षण एवं प्रबंधन के लिये राष्ट्रीय परिषद द्वारा लागू किया गया है जैसा राष्ट्रीय गंगा परिषद के रूप में भी जाना जाता है।

उद्देश्य:

- NMCG का उद्देश्य प्रदूषण को कम करना एवं गंगा नदी का कार्याकल्प सुनिश्चित करना है।
- जल की गुणवत्ता और पर्यावरणीय रूप से सतत विकास सुनिश्चित करने के उद्देश्य से व्यापक योजना एवं प्रबंधन तथा नदी में न्यूनतम पारस्थितिक प्रवाह को बनाए रखने के लिये अंतर-क्षेत्रीय समन्वय को बढ़ावा देना है।

संगठन संरचना:

- इस अधिनियम में गंगा नदी में पर्यावरण प्रदूषण की रोकथाम, नयितरण एवं उपशमन के उपाय करने हेतु राष्ट्रीय, राज्य और ज़िला स्तर पर पाँच स्तरीय संरचना की परिकल्पना की गई है।
 - भारत के प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में राष्ट्रीय गंगा परिषद।
 - केंद्रीय जल शक्ति मंत्री (जल संसाधन, नदी विकास एवं गंगा संरक्षण विभाग) की अध्यक्षता में गंगा नदी पर अधिकार प्राप्त कार्य बल (ETF)।
 - राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मशिन (NMCG)।
 - राज्य गंगा समितियाँ।
 - राज्यों में गंगा नदी और उसकी सहायक नदियों से सटे प्रत्येक नरिदष्ट ज़िले में ज़िला गंगा समितियाँ।

गंगा से संबंधित अन्य पहलें:

- नमामि गंगे कार्यक्रम:** नमामि गंगे कार्यक्रम एक एकीकृत संरक्षण मशिन है जैसा जून 2014 में केंद्र सरकार द्वारा 'फ्लैगशिप कार्यक्रम' के रूप में अनुमोदित किया गया था ताकि प्रदूषण के प्रभावी उन्मूलन और राष्ट्रीय नदी गंगा के संरक्षण एवं कार्याकल्प जैसे दोहरे उद्देश्यों को पूरा किया जा सके।
 - गंगा नदी को वर्ष 2008 में भारत की 'राष्ट्रीय नदी' घोषित किया गया।
- गंगा एक्शन प्लान:** यह पहली नदी कार्ययोजना थी जो 1985 में पर्यावरण और वन मंत्रालय द्वारा लाई गई थी। इसका उद्देश्य जल अवरोधन, डायवर्जन व घरेलू सीवेज के उपचार द्वारा जल की गुणवत्ता में सुधार करना था।
 - राष्ट्रीय नदी संरक्षण योजना गंगा कार्ययोजना का वसितार है। इसका उद्देश्य गंगा कार्ययोजना चरण-2 के तहत गंगा नदी की सफाई करना है।
- भुवन-गंगा वेब एप:** यह गंगा नदी में प्रवेश करने वाले प्रदूषण की नगिरानी में जनता की भागीदारी सुनिश्चित करता है।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

प्रश्न. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिये: (2013)

राष्ट्रीय उद्यान	उद्यान से होकर बहने वाली नदी
1. कॉरबेट राष्ट्रीय उद्यान	गंगा
2. काज़ीरंगा राष्ट्रीय उद्यान	मानस
3. साइलेंट वैली नेशनल पार्क	कावेरी

उपर्युक्त युग्मों में से कौन-सा/से सही सुमेलित है/हैं?

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर: (d)

प्रश्न. टहिरि जलवदियुत परियोजना निम्नलिखित में से किस नदी पर स्थित है? (2008)

- (a) अलकनंदा

- (b) भागीरथी
- (c) धौलीगंगा
- (d) मंदाकनी

उत्तर: (b)

स्रोत: डाउन टू अर्थ

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/adi-ganga-revival-plan>

